No. of Printed Pages : 6

MSK–01

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एस.के.-01 : संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

निर्देश : *सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के उत्तर एक ही भाषा में हो।*

खण्ड—क

निर्देश : *अधोलिखित में से किसी* **एक** *की विस्तृत व्याख्या कीजिए।* 20

1. मुख्यार्थस्येतराक्षेपो वाक्यार्थेऽन्वयसिद्धये।
स्यादात्मनोऽप्युपादानादेषोपादान लक्षणा॥

P. T. O.

रूढ़ावुपादानलक्षणा यथा—‘श्वेतो धावति’। प्रयोजने यथा—‘कुन्ताः प्रविशन्ति’। अनयोर्हि श्वेतादिभिः कुन्तादिभिश्चाचेतनतया केवलैर्धावनप्रवेश न क्रिययोः कर्ततयान्वयमल भमानैरेतत्सिद्धये आत्मसम्बन्धिनोऽश्वादयः पुरुषादयश्चाक्षिप्यन्ते। पूर्वत्र प्रयोजनाभाद् रूढ़िः, उत्तरत्र तु कुन्तादीनामति गहनत्वं प्रयोजनम्। अत्र च मुख्यार्थस्यात्मनोऽप्युपादानम्। लक्षण लक्षणायां तु परस्यैवोपलक्षणमित्यनयोर्भेदः। इयमेवाजहत्स्वार्थेत्युच्यते।

अथवा

विभावेनानुभावेन व्यक्तः सञ्चारिणा तथा।

रसतामेति रत्यादिः स्थायीभावः सचेतसाम्॥

विभावादयो पक्ष्यते। सात्त्विकाश्चानुभाव रूपत्वात् न पृथगुक्ताः, व्यक्तो दध्यादिन्यायेन रूपान्तरप्यरिणतो व्यक्तीकृत एव रसो न तु दीपन घट इव पूर्व सिद्धो व्यज्यते।

2. अधोलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की प्रसंग व्याख्या कीजिए– 10×2=20

(क) आलोके ते निपतति पुरा सा बलि व्याकुलता वा
मत्सादृश्यं विरहतनु वा भावगम्यं लिखन्ती।
पृच्छन्ती वा मधुरवचनां सारिकां पञ्च जरस्थां
कञ्चिद् भर्तुः स्मरसि रसिके ! त्वं हितस्य प्रियेति॥

(ख) नीचैराख्यं गिरिमधिवसेस्तत्र विश्रामहेतो
स्त्वत्संपर्कात् पुलकितमिव प्रौढ पुष्पैः कदम्बैः।
यः पण्यस्त्रीरतिपरिमलोद्गारिभिर्नागराणा
मुद्यामानि प्रथयति शिक्षावेश्मभिर्यौवनानि॥

(ग) तस्मिन्काले जलद ! यदि सा लब्धनिद्रासुखा स्या,
दान्वास्यैनां स्तनितं विमुखो याममात्रे सहस्व।
मा भूदस्याः प्रणयिनि मयि स्वप्नलब्धे कथञ्चित्।
सद्यः कण्ठच्युत भुजलता ग्रन्थि गाढोप गूढम्॥

(घ) दीर्घी कुर्वन् पटु मदकलं कूजितं सारसानां।
प्रत्यूषेणु स्फुटितकमलामोद मैत्री कषायः॥
यत्र स्त्रीणां हरति सुरतग्लानिमाङ्गानुकूलः।
शिप्रावातः प्रियतम इव प्रार्थना चाटुकारः॥

3. अधोलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए– 10 × 2 = 20

(क) खलचरित निकृष्ट जात दोषाः
कथमिह मां परिलोभसे धनेन।
सुचरितचरितं विशुद्धदेहं न हि
कमलं मधुपाः परित्यजन्ति॥

(ख) शुष्कवृक्षस्थितो ध्वाङ्क्ष आदित्याभिमुखस्तथा।
मचि चोरयते वामं चक्षुर्धोरमसंशयम्॥

(ग) कुतो बाष्पाम्बुधाराभिः स्नपयन्ती पयोधरौ।
मयि मृत्युवशं प्राप्ते विधेव समुपागता॥

(घ) किं नु नाम भवेत्कार्यमिदं येन त्वया कृतम्।
अपापा पापकल्पेन नगरश्रीर्निपातिता॥

खण्ड—ख

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

2 × 10 = 20

(i) महाकाव्य के उद्भव और विकास का वर्णन करते हुए उसकी विषय–वस्तु एवं शैली का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(ii) 'साहित्यदर्पण' के अनुसार काव्य के प्रयाजनों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

(iii) खण्डकाव्य के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए प्रमुख खण्डकाव्य का परिचय दीजिए।

(iv) 'मच्छकटिकम्' की विषय–वस्तु को स्पष्ट करते हुए उसके किसी **एक** पात्र का चरित्र–चित्रण कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए–

2 × 5 = 10

(क) नायिका भेद

(ख) पंचसन्धियाँ

(ग) अर्थप्रकृति

(घ) प्रकरण

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का चरित्र-चित्रण कीजिए– $2 \times 5 = 10$

(क) चारुदत

(ख) यज्ञ

(ग) शकार

(घ) वसन्तसेना